राहु ग्रह का रत्न

गोमेद राहु ग्रह का रत्न है और राहु ग्रह का प्रतिनिधित्व भी करता है। शुद्ध गोमेद रत्न धारण करने का परिणाम तीन वर्ष तक प्राप्त होता है। शुद्ध गोमेद रत्न के अभाव में राहु ग्रह के उपरत्नों का भी प्रयोग किया जा सकता है जैसेः- फिरोजा, साफी, तुरसावा आदि।

गोमेद रत्न की सामान्य पहचान

गोमेद रत्न देखने में गोमूत्र के हल्के पीले रंग का और कुछ लालिमा लिए हुए होता है या शहद के रंग की तरह होता है, हाथ में लेने पर चिकना और भारीपन वाला होता है।

गोमेद रत्न की सामान्य परीक्षण विधियां

गोमेद रत्न को 24 घण्टे गोमूत्र में रखने पर गोमूत्र का रंग बदल जाता है। कपड़े या लकड़ी के बुरादे से गोमेद रत्न को रगड़ने पर गोमेद रत्न की चमक में क्षीणता आ जाती है।

गोमेद रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न को पंच धातु (सोना, चांदी, तांबा, सीसा और लोहा) या त्रिधातु (चांदी, तांबा और सीसा) के मिश्रण में या सोना, चांदी या लोहे की अंगूठी या लॉकेट में बनवाकर, उसकी प्राणप्रतिष्ठा करके या करवाकर, किसी शुभ मुहूर्त में या शुक्ल पक्ष के शनिवार के दिन या शनि की होरा में या राहु ग्रह के नक्षत्र वाले दिन में सूर्य अस्त होने के बाद मध्यमा अंगुली (middle finger) में धारण करना चाहिये।

गोमेद रत्न धारण करने के लाभ

जन्मपत्रिका में राहु ग्रह जिस भाव में स्थित हो, राहु ग्रह के स्वामित्व भाव, राहु ग्रह की दृष्टि भाव और राहु ग्रह की दशा आदि में राहु ग्रह के शुभ प्रभावों को बढ़ाने और अशुभ प्रभावों

को कम करने में गोमेद रत्न सहायक होता है, साथ ही बीमारियों से बचाव, कमरदर्द और घुटनों का दर्द कम करने, शत्रुओं पर विजय और मानसिक तनाव कम या समाप्त करने तथा उदर रोग को कम करने में भी सहायक सिद्ध होता है। राजनीति और प्रशासन क्षेत्र में, कोर्ट-कचहरी, मुकदमे आदि में भी शीघ्र सफलता के लिए गोमेद रत्न धारण करना सहायक सिद्ध होता है।

गोमेद रत्न धारण करने के लिए निर्देश और सावधानियां

गोमेद रत्न के पूर्ण शुभ फल प्राप्त करने के लिए अंगूठी या लॉकेट का निचला भाग भी खुला होना चाहिए ताकि गोमेद रत्न आपके शरीर को छू सके। गोमेद रत्न धारण करने के बाद यदि संभव हो सके तो तामसिक भोजन का प्रयोग न करें, नही तो कम से कम शनिवार के दिन तामसिक भोजन का प्रयोग बिलकुल न करें, धैर्य रखें, क्रोध न करें, झूठ न बोलें और शनिवार के दिन यथा शक्ति राहु ग्रह का मंत्र जप करें। **गोमेद रत्न धारण करने के बाद 27 दिन के अन्दर यदि आपको प्रतिकूलता का अनुभव हो तो तुरंत ज्योतिषीय सलाह लें।**